Political theory

अ- व्यवहारवाद की निम्नांकित विशेषताएँ हैं।

क- व्यवहारवाद राजनीतिक तथ्यों की व्याख्या हेतु विश्लेषण का एक विशिष्ट तरीका है जिसमें अध्ययन का केन्द्र बिन्दु मानव का राजनीतिक व्यवहार है।

ख- व्यवहारवाद एक ऐसा अनुभवात्मक एवम् क्रियात्मक दृष्टिकोण है जिसमें व्यक्तिनिष्ठ मूल्यों, मानवीय विवरणों तथा कल्पनाओं का कोई महत्व नहीं है।

ग- व्यवहारवाद एक अन्तर - अनुशासनात्मक अध्ययन है।

घ- व्यवहारवाद परम्परागत राजनीतिविज्ञान के विरुद्ध है अर्थात व्यवहारवादी राजनीतिविज्ञान को राज्य की कानूनी और दार्शनिक सीमाओं में सीमित रखने के लिए तैयार नहीं है।

ङ- यह एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण है तथा इसमें मानव के व्यवहार से सम्बन्धित तथ्यों का संख्यीकरण तथा सर्वेक्षण, निरीक्षण और परीक्षण किया जाता है और उन प्रयोगों के आधार पर एक व्यवस्थित सिद्धान्त का विकास किया जाता है।

अ- व्यवहारवादी उपागम के निम्न सिद्धान्त हैं।

(i) व्यक्ति का राजनीतिक व्यवहार - एक केन्द्र बिन्दु व्यवहारवादी विचारक अपने दृष्टिकोण का केन्द्रीय बिन्दु मनुष्य के राजनीतिक व्यवहार को मानते हैं।

(ii) प्रयोग सिद्ध अध्ययन - व्यवहारवादी अध्ययन अनुभव पर आधारित है। व्यवहारवाद में राजनीतिक तथ्यों का अध्ययन मानव के व्यवहार अर्थात 'जो है' के आधार पर किया जाता है। इसमें मूल्यों का कोई स्थान नहीं है।

(iii) अस्थिर निष्कर्ष - व्यवहारवादी विचारक यह मानते हैं कि उनके निष्कर्ष अस्थायी होते हैं क्योंकि मानव गतिशील, परिवर्तनशील तथा

विवेकशील होता है।

(iv) संरचनाओं, संस्थाओं और धारणाओं के अध्ययन का महत्व न होना - व्यवहारवादी विचारक व्यक्ति के राजनीतिक व्यवहार को अध्ययन का केन्द्र बिन्दु मानते हैं।

(v) अन्तर-शास्त्रीय अध्ययन - व्यवहारवाद में अन्तरशास्त्रीय अध्ययन एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

(vi) ~~अधीन व्यवस्था~~ एकरूपता - हीज युलाऊ के मतानुसार व्यवहारवादी विचारक व्यक्ति तथा समूहों के व्यवहार में एकरूपता खोजने का प्रयत्न करते हैं।

(vii) शोध सन्दर्भ - व्यवहारवाद शोध को सामाजिक मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा संस्कृति विज्ञान के सन्दर्भ में करने का प्रयास करते हैं।

Pol. sc (Hons)
part - I
Paper - I

Rama Kant Pandey
S.R.A.P. College
Bara chakiya
B.R.A.B.U (Muz.)